विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप : डुप्लांटिस ने करालिस को पछाड़कर पोल वाल्ट का खिताब जीता

बुडापेस्ट

विश्व और ओलंपिक चैंपियन आर्मंड मोंडो डुप्लांटिस ने विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए पोल वाल्ट का खिताब अपने नाम किया। डुप्लांटिस ने 6.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर ग्रीस के अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी इमैनुअल करालिस को पीछे छोड़ा।

अमेरिका में जन्मे स्वीडिश खिलाड़ी डुप्लांटिस चोट की चिंता के बीच हंगरी पहुंचे थे। पैर में खिंचाव दोबारा उभरने के बाद उन्होंने एहतियात के तौर पर ब्रसेल्स डायमंड लीग फाइनल से नाम वापस ले लिया था। उनकी अनुपस्थिति में करालिस ने वहां खिताब जीता था, लेकिन बुडापेस्ट में डुप्लांटिस ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम किया।

डुप्लांटिस और करालिस ने 5.60 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और दोनों ने इसे आसानी से पार किया। डुप्लांटिस ने 5.80 मीटर को छोड़ दिया, जबकि करालिस ने यह ऊंचाई पार कर ली। इसके बाद 5.95 मीटर की ऊंचाई भी डुप्लांटिस, करालिस, नार्वे के सोंद्रे गुट्टोर्मसेन, आस्ट्रेलिया के कर्टिस मार्शल और अमेरिका के जैकेरी ब्रैडफोर्ड ने पार की।

डुप्लांटिस 6.05 मीटर पार करने वाले पहले खिलाड़ी बने, लेकिन करालिस ने तीसरे प्रयास में इस ऊंचाई को पार कर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा। इसके बाद 6.15 मीटर की ऊंचाई पर करालिस ने पहले प्रयास में सफलता हासिल कर डुप्लांटिस पर दबाव बनाया। हालांकि स्वीडिश खिलाड़ी ने भी इसे पार कर लिया।

इसके बाद बार को 6.20 मीटर तक बढ़ाया गया। करालिस इस ऊंचाई को पार नहीं कर सके, जबकि डुप्लांटिस ने इसे सफलतापूर्वक पार कर खिताब अपने नाम कर लिया। करालिस ने 6.20 मीटर को छोड़ दिया और 6.25 मीटर पर प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं रहे।

डुप्लांटिस ने इसके बाद 6.32 मीटर की ऊंचाई पर तीन प्रयास किए, लेकिन तीनों में असफल रहे। यह ऊंचाई पार करने पर वह अपना ही विश्व रिकार्ड एक सेंटीमीटर बेहतर कर सकते थे। उन्होंने इस सत्र में अपना विश्व रिकार्ड 6.31 मीटर तक पहुंचाया है।

खिताबी जीत के बाद डुप्लांटिस ने कहा, यह शानदार था। मुझे बुडापेस्ट में प्रतिस्पर्धा करना बहुत पसंद है। पूरा शो शानदार था। मुकाबला बहुत मजेदार रहा। थोड़ी ठंड थी, लेकिन मैंने इसका भरपूर आनंद लिया। आप सभी ने जो ऊर्जा दी, उसके लिए धन्यवाद। यह हम सभी के लिए लंबा सत्र रहा है। बुडापेस्ट के 20 हजार दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में डुप्लांटिस ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

न्यूज ब्रीफ

डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिपः भक्ति शर्मा ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता कांस्य, जूनियर विश्व रिकार्ड भी बनाया

चांगवोन। भारत की भक्ति शर्मा ने डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 213.1 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। ईरान की नासरीन शाही समाखौन ने भक्ति को पीछे छोड़कर रजत पदक हासिल किया, जबकि उनकी हमवतन फैजेह अहमदी ने 238.3 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारत की एक अन्य निशानेबाज सृष्टि अरोड़ा भी शामिल थीं, जिन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालीफिकेशन में भक्ति छठे स्थान पर रही थीं और सृष्टि से एक स्थान पीछे थीं। हालांकि, 565 अंक के स्कोर के साथ उन्होंने नया जूनियर विश्व रिकार्ड कायम किया। सृष्टि ने क्वालीफिकेशन में 566 अंक हासिल किए। भारत की सुमेधा पाठक केवल एक अंक से शीर्ष आठ में जगह बनाने से चूक गईं। वहीं, 2024 पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता रुबीना फ्रांसिस 554 अंक के साथ 18वें स्थान पर रहीं। भारत ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता। सृष्टि, भक्ति और सुमेधा के तीन सर्वश्रेष्ठ स्कोर के संयुक्त 1690 अंक भारत के खाते में रहे।

महिला एशिया कपः श्रीलंका ने पाकिस्तान को चार विकेट से हराया, फाइनल में भारत से होगी भिड़ंत

दुबई। श्रीलंका ने दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए 2026 महिला एशिया कप के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को चार विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ गत चैंपियन श्रीलंका ने अपने खिताब के बचाव की उम्मीद कायम रखी और अब फाइनल में उसका सामना भारत से होगा। श्रीलंका और भारत के बीच फाइनल मुकाबला 2024 के खिताबी मुकाबले की पुनरावृत्ति होगा। पिछले संस्करण में श्रीलंका ने भारत को हराकर पहली बार महिला एशिया कप का खिताब जीता था। 131 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पारी की नींव हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने 69 रन की साझेदारी कर रखी। हर्षिता ने 31 गेंदों पर 36 रन, जबकि कविशा ने 33 गेंदों पर 33 रन बनाए। इसके बाद नीलाक्षी डी सिल्वा (नाबाद 18) और कौशानी नुथ्यांगना (नाबाद 10) ने अंत तक टिककर टीम को जीत दिलाई। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए और एक समय अपनी टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। हालांकि, श्रीलंका ने आठ गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले फातिमा सना ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया। उन्होंने नाबाद 47 रन की पारी खेलकर पाकिस्तान को 20 ओवर में पांच विकेट पर 130 रन तक पहुंचाया। हालांकि, पाकिस्तान का यह स्कोर श्रीलंका को रोकने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ। फातिमा को उनके शानदार आलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

फिन एलन बीबीएल में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने

सिडनी। न्यूजीलैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिन एलन को आस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेटट लीग (बीबीएल) में टीम मेलबर्न स्टार्स ने सबसे महंगे दामों में खरीदा है। इससे अब एलन का लक्ष्य अपनी ओर से सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन कर क्लब के फैसले को सही करार देना होगा। मेलबर्न स्टार्स ने फिन के साथ ही तीन साल का एक अनुबंध किया है। 27 वर्षीय इस आक्रामक बल्लेबाज को पहले साल के लिए 600,000 आस्ट्रेलियन डालर (लगभग 4 करोड़ 10 लाख रुपये) दिये जाएंगे। ये बीबीएल में किसी विदेशी खिलाड़ी को मिलने वाली सबसे अधिक रकम है। एलन को इतनी रकम इसलिए मिली क्योंकि उनकी लोकप्रियता बढ़ती रही है। पिछले सत्र में उन्होंने पर्थ स्कार्चर्स को खिताब जीत दिलायी थी। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। फिन एलन दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीग में सबसे पसंदीदा पावर-हिटर्स में से एक हैं। बीबीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद, उन्होंने टी20 प्रारूप में कई प्रभावशाली पारियां खेली हैं, जिनमें कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए एक आईपीएल शतक भी शामिल है, जिसने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनकी विध्वंसक क्षमता को साबित किया है। उनकी यह क्षमता ही उन्हें दुनिया भर की टी-20 लीगों में एक बहुमूल्य संपत्ति बनाती है। एलन पिछले दो मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) सत्र से सैन फ्रांसिस्को यूनिकार्न्स के लिए खेल रहे थे, यह टीम क्रिकेट विक्टोरिया के हाई-परफारमेंस डिपार्टमेंट द्वारा चलाई जाती है।

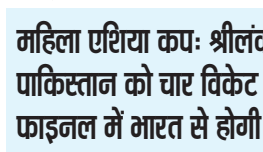

जिला रैंकिंग टेबल टेनिस : अनिका की खिताबी हैट्रिक, आराध्या-मृदुल की भी दोहरी चुनौती

इंदौर

यशवंत क्लब में चल रही चतुर्थ इंदौर जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में अनिका माहेश्वरी ने दो दिन में तीन खिताब जीतकर अपना दबदबा कायम किया। अंडर-11 और अंडर-13 की चैंपियन बनीं अनिका ने अंडर-15 का खिताब भी अपने नाम किया। बालक अंडर-15 में रक्षत चावड़ा, बालिका अंडर-17 में आराध्या राजपूत और बालक अंडर-17 में मृदुल जोशी भी चैंपियन बने। आराध्या और मृदुल ने अंडर-17 का खिताब जीतने के बाद अंडर-19 के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई।

बालिका अंडर-15 के फाइनल में अनिका ने सानवी सिंघल को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। सेमीफाइनल में अनिका ने नेहल नाहर को 3-0 और सानवी ने आरवी जैन को 3-0 से शिकस्त दी। बालक अंडर-15 के फाइनल में रक्षत चावड़ा ने पूणयांश जैन को 3-1 से पराजित किया। रक्षत ने सेमीफाइनल में अर्णव शेलगांवकर को 3-2 और पूणयांश ने दक्ष माहेश्वरी को 3-2 से हराया।

अंडर-17 में आराध्या-मृदुल चैंपियन - बालिका अंडर-17 के फाइनल में आराध्या राजपूत ने रीत इंगले को 3-0 से हराकर खिताब जीता। सेमीफाइनल में आराध्या ने अनिका माहेश्वरी को 3-0 से पराजित किया था। बालक अंडर-17 के फाइनल में मृदुल जोशी ने मित मिमरोट को 3-0 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में मृदुल ने पूणयांश जैन को 3-0 से हराया।

अंडर-19 में भी आराध्या-मृदुल अंतिम चार में - बालक अंडर-19 में मृदुल जोशी, अबु बकर, अभी जैन और अर्थव जैन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। मृदुल ने क्वार्टर फाइनल में द्वियुमानी दत्ता को 3-1 से हराया। बालिका अंडर-19 में आराध्या राजपूत, आराना उपाध्याय, भाग्यश्री दवे और हिया पटेल अंतिम चार में पहुंचीं। आराध्या ने क्वार्टर फाइनल में सिद्धी भदोरिया को 3-0 से शिकस्त दी।

महिला वर्ग में अनिका की खिताबी चुनौती थमी - महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल में आराध्या राजपूत ने आद्या पारासर को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भाग्यश्री दवे ने भूतिका साहुकार को 3-0, आराना उपाध्याय ने आरवी जैन को 3-1 और हिया पटेल ने अनिका माहेश्वरी को 3-2 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

नेहरा अभी गुजरात टाइटंस में ही रहेंगे

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर और गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने कहा है कि अभी वह आईपीएल में ही रहेंगे। नेहरा के अनुसार अगर भविष्य में उन्हें भारतीय टीम का कोच बनने का प्रस्ताव मिला तो वह उसपर विचार करेंगे। नेहरा के इस बयान से साफ है कि उनका पूरा ध्यान इस समय गुजरात टाइटंस के साथ अपनी मौजूदा भूमिका पर केंद्रित है। हालांकि, नेहरा ने यह भी बताया कि अगर भविष्य में उन्हें भारतीय टीम को कोचिंग देने का प्रस्ताव मिलता है, तो वह इस फैसले पर परिवार से बात कर ही विचार करेंगे। इसकी सबसे बड़ी वजह राष्ट्रीय टीम के कोच की व्यस्तता और लगातार यात्रा करना है। नेहरा के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोच की भूमिका के लिए आठ से नौ महीने तक देश से बाहर यात्रा करनी पड़ सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि इस तरह की बड़ी जिम्मेदारी लेने से पहले वह परिवार के साथ इसकी व्यावहारिकता पर विचार-विमर्श करेंगे। उन्होंने स्वीकार किया कि अंतरराष्ट्रीय कोचिंग में काफी यात्रा और कई प्रकार की चुनौतियां शामिल होती हैं। हरा ने आईपीएल में बतौर कोच अपनी एक मजबूत पहचान स्थापित की है। गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच बनने के बाद उन्होंने टीम को पहले सत्र में ही विजेता बना दिया। 2022 में ही आईपीएल चैंपियन बनाया। इसके अगले सत्र में टीम उपविजेता रही। इस तरह नेहरा ने बतौर कोच अपने शुरुआती वर्षों में ही आईपीएल में अपनी रणनीतिक क्षमता और नेतृत्व कौशल को सिद्ध कर दिया है। नेहरा भारतीय क्रिकेट टीम के लिए लंबे समय तक एक प्रभावी तेज गेंदबाज की भूमिका निभा चुके हैं। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे, जिसने 2003 वनडे विश्व कप में उपविजेता के रूप में अपना अभियान समाप्त किया था। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग में कदम रखा और गुजरात टाइटंस के साथ उनकी सफलता ने उन्हें आईपीएल के सबसे प्रमुख और सम्मानित कोचों में शामिल कर दिया है। उनके इन बयानों से फिलहाल यही निष्कर्ष निकलता है कि वह राष्ट्रीय टीम की कोचिंग को लेकर कोई सक्रिय योजना नहीं बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह गुजरात टाइटंस के साथ अपनी मौजूदा भूमिका में संतुष्ट और खुश हैं, पर अगर भविष्य में यदि टीम इंडिया की कोचिंग का कोई प्रस्ताव उनके सामने आता है, तो वह इसे सम्मान के साथ स्वीकार करने की संभावना पर परिवार के साथ विचार करेंगे।

यूएस ओपन

सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने जीता महिला युगल का खिताब

न्यूयार्क

शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने अमेरिकी वाइल्ड कार्ड जोड़ी एशलिन क्रूगर और राबिन मोंटगोमरी को हराकर यूएस ओपन महिला युगल खिताब जीत लिया। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने फाइनल में 5-7, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की और इसके साथ ही टीम के रूप में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया।

इस जीत के साथ सिनियाकोवा के ग्रैंड स्लैम महिला युगल खिताबों की संख्या 12 हो गई। वह दो अलग-अलग खिलाड़ियों के साथ करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने इससे पहले अपनी हमवतन बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं, टाउनसेंड महिला युगल में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली मौजूदा खिलाड़ियों में छठी खिलाड़ी बन गईं। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने 2024 में विंबलडन, 2025 में आस्ट्रेलियन ओपन और इस साल फ्रेंच ओपन का महिला युगल खिताब भी जीता था। फाइनल में सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने धीमी शुरुआत की और पहला सेट 5-7 से गंवा दिया। हालांकि दूसरे सेट में दोनों ने शानदार वापसी की। शुरुआती गेम में 40-30 से पिछड़ने के बाद उन्होंने अगले 27 में से 23 अंक जीतकर दूसरा सेट 6-0 से अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया।

निर्णायक सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने शुरुआती ब्रेक हासिल किया और सिनियाकोवा ने अपनी सर्विस बिना कोई अंक गंवाए बरकरार रखते हुए 3-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद टाउनसेंड ने भी चार अंकों वाला सर्विस गेम जीतकर बढ़त 4-2 कर दी। अंतत: दोनों ने निर्णायक सेट 6-2 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पहले सेट में सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने लगातार 13 अंक जीतकर स्कोर 4-4 कर दिया था। इसके बाद सिनियाकोवा ने टाईब्रेक की ओर बढ़ने के प्रयास में सर्विस करते हुए तीन डबल फाल्ट किए, जिसमें सेट प्वाइंट पर किया गया डबल फाल्ट भी शामिल था। ट्राफी समारोह में सिनियाकोवा ने कहा, बहुत नर्वस थी, कई फाइनल खेले हैं, लेकिन अंत में हम इसे हासिल करने में सफल रहे।

एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल में जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता शुरू

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल में एसजीएफआई जिला स्तरीय अंतर-विद्यालयीन खो-खो प्रतियोगिता 2026-27 का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में अंडर-14 और अंडर-17 बालक-बालिका वर्ग में 150 से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजन डीएसओ (डीईओ) डी.एस. धुर्वे एवं बाबिता तोमर के मार्गदर्शन तथा विद्यालय के प्राचार्य चैतन्य सक्सेना के सहयोग से किया जा रहा है।

पहले दिन अंडर-17 बालक वर्ग में खालसा हायर सेकेंडरी स्कूल ने सिल्वर बेल्स को 3-1, शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय ने सेंट जॉर्ज को-एड स्कूल को 5-2 और पोदार इंटरनेशनल स्कूल ने एच.एम. हायर सेकेंडरी स्कूल को 3-1 से हराया। बालिका वर्ग में सेंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल ने बोनी फोई स्कूल को 4-2, सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल ने शासकीय गर्ल्स बैरागढ़ को 3-0 और भोपाल गर्ल्स स्कूल ने अमन पब्लिक स्कूल को 5-1 से पराजित किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन किया।

यूएस ओपनः बेन शेल्टन ने टियाफोए को हराकर पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में बनाई जगह

न्यूयार्क

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ने हमवतन फ्रांसेस टियाफोए को चार सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के फाइनल में जगह बना ली। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से जीत दर्ज की। यह उनके करियर का पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल होगा। 23 वर्षीय शेल्टन ने मुकाबले में 20 ऐस लगाए और अब खिताबी मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना करेंगे। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह आल-अमेरिकन सेमीफाइनल था और दोनों पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। शेल्टन ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

टियाफोए ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। उन्होंने 4-5 के स्कोर पर शेल्टन की डबल फाल्ट का फायदा उठाकर सर्विस ब्रेक हासिल किया और फिर अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया।

हालांकि, दूसरे सेट में शेल्टन ने जोरदार वापसी की। शुरुआती ब्रेक के साथ उन्होंने 2-0 की बढ़त बनाई, लेकिन टियाफोए ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। टियाफोए की सर्विस में लगातार आती अस्थिरता का शेल्टन ने फायदा उठाया और आठवें गेम में फिर ब्रेक हासिल कर सेट 6-3 से जीत लिया।

तीसरे सेट में भी शेल्टन का दबदबा कायम रहा। उन्होंने पांचवें गेम में सर्विस ब्रेक हासिल कर 3-2 की बढ़त बनाई। टियाफोए ने नौवें गेम में तीन ब्रेक और सेट प्वाइंट बचाकर मुकाबला लंबा खींचने की कोशिश की, लेकिन शेल्टन ने अगली बार मौके का फायदा उठाते हुए टियाफोए की दूसरी सर्विस पर शानदार बैकहैंड रिटर्न लगाया। टियाफोए के फोरहैंड नेट में जाने के साथ शेल्टन ने सेट 6-3 से जीत लिया।

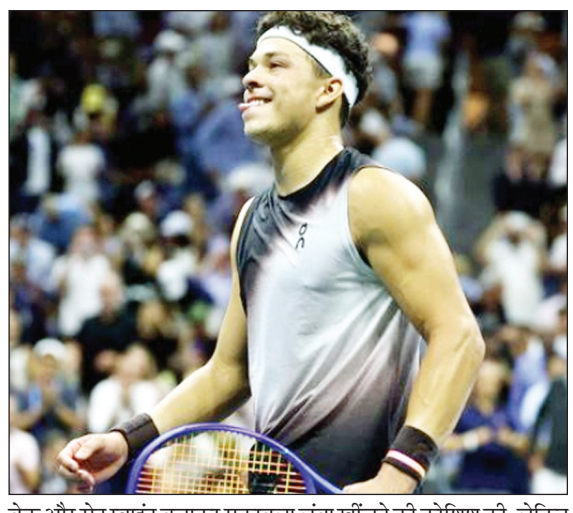

चौथे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बरकरार रखी और मुकाबला निर्णायक मोड़ तक पहुंचा। 12वें गेम में शेल्टन ने अहम सर्विस ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से अपने नाम किया और पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में प्रवेश कर लिया।

शेल्टन की एक सर्विस की शुरुआती गति 158 मील प्रति घंटा दर्ज की गई थी, जिसे बाद में संशोधित कर 144 मील प्रति घंटा किया गया। अब उनके पास 2003 में एंडी रोडिक के यूएस ओपन जीतने के बाद ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बनने का मौका है।

अभिषेक को रैना ने लाल गेंद क्रिकेट खेलने की सलाह दी

नई दिल्ली

भारतीय टी20 टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से अपनी लय में नहीं दिखे हैं। उनकी बल्लेबाजी की जो चमक शुरुआत में नजर आयी थी वह अब नहीं दिख रही। निरंतरता की कमी से वे रैंकिंग में भी तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। इसी को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने अभिषेक को समय मिलने पर लाल गेंद क्रिकेट खेलने की सलाह दी है।

गौरतलब है कि अभिषेक ने अपने करियर में कुल 206 टी20 मैचों में 32.40 की औसत से 5995 रन बनाए हैं, लेकिन जब बात प्रथम श्रेणी क्रिकेट की आती है, तो उनके आंकड़े उतने प्रभावशाली नहीं हैं। उन्होंने अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास मैच 2024 में खेला था और अब तक खेले केवल 24 मैचों में एक शतक और पांच अर्धशतक सहित 30.60 की औसत से 1071 रन ही बना सके हैं। ये बल्लेबाज पिछले डेढ़ साल से लाल गेंद के क्रिकेट से दूर रहा है, ऐसे में रैना की टेस्ट क्रिकेट खेलने की सलाह कई सवाल खड़े करती है।

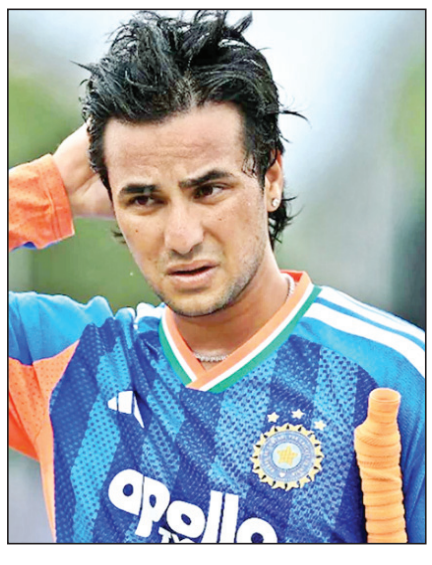

एक शो में रैना ने कहा कि क्रिकेट की मांग बदल गई है और अब अलग-अलग प्रारूपों के लिए अलग-अलग टीमें बनाई जा रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आज की पीढ़ी टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए तैयार है, क्योंकि इसके लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होती है। रैना ने सीधे तौर पर कहा, मुझे लगता है कि अभिषेक को टेस्ट खेलना चाहिए। उन्होंने कोचों द्वारा प्रतिभाओं को निखारने और मार्गदर्शन देने की भूमिका पर भी जोर दिया, साथ ही मानव सुथार जैसे युवा खिलाड़ियों का भी जिक्र किया कि क्या वे अगले रवींद्र जडेजा बन सकते हैं और तीनों प्रारूपों में खेलने के लिए तैयार हैं।

13 सितंबर को एंजो फर्नांडीज मैनचेस्टर सिटी की ओर से प्रीमियर लीग में उतरेंगे

लंदन। अर्जेंटीनी मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज अब इंग्लैंड के फुटबाल क्लब मैनचेस्टर सिटी की ओर से प्रीमियर लीग फुटबाल में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। फर्नांडीज को हाल ही में मैनचेस्टर सिटी ने अनुबंधित किया है1 वह आगामी 13 सितंबर को होने वाले मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ उतरेंगे। इस मुकाबले को लेकर वह उत्साहित हैं। चेल्सी से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए फर्नांडीज ने कहा कि वह अपने नए क्लब में बेहद खुश हैं और उसे अच्छी शुरुआत चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह टीम को बड़ी सफलता दिलाने में सहायता करने के लिए पूरे प्रयास करेंगे। फर्नांडीज ने कहा, इस क्लब में आकर मुझे बेहद खुशी हुई है। साथ ही कहा कि मैंने हमेशा मैनचेस्टर सिटी जैसे बड़े क्लब में जाने की इच्छा रखी थी जो सफल हुई है। इसलिए मैं इस अवसर के लिए आभारी हू। मेरे और मेरे परिवार के लिए यह बहुत भावुक पल है कि मैं 25 साल की उम्र में अपने फुटबाल करियर में यह कदम उठा रहा हूं, जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था। इस खिलाड़ी ने कहा कि सिटी में उनका आना करियर का एक बड़ा कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रीमियर लीग में उनके पिछले अनुभव ने उन्हें शीर्ष स्तर पर खेलने की चुनौतियों के लिए तैयार किया है। फर्नांडीज ने साझा किया, मुझे अर्जेंटीना फुटबाल और पुर्तगाल में कई अनुभव मिले हैं, और अब मैं प्रीमियर लीग में आ रहा हूं। अपने पिछले अनुभवों का प्रयोग में यहां करुंगा। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने मैनचेस्टर सिटी में नंबर 17 की जर्सी पहनने के अपने फैसले का कारण भी बताया । उन्होंने बताया कि उनकी गहरी आस्था और आध्यात्मिक प्रेरणा के कारण वह इस नंबर की जर्सी पहनते हैं ।